दैनिक
सुबह प्रकाश
सबकी खबर,सब पे नजर

भोपाल,मंगलवार 10 दिसंबर 2024 e-Paper- subahaprakash.com एक युवा सोच वर्ष-09 अंक-267 पृष्ठ-8 मूल्य-2 रुपये

छिंदवाड़ा/सिवनी

श्रद्धावन पुनर्वसन केंद्र नागपुर ने मानव सेवा माधव सेवा को चरितार्थ कर दिखाया

12 साल बाद मानसिक विक्षिप्त महिला का उसके परिवार से पुनर्मिलन

सुबह प्रकाश, सिवनी।

नागपुर के श्रध्दावन पुनर्वसन केंद्र ने मानसिक रूप से अस्वस्थ और बेसहारा महिला उषा (बदला हुआ नाम) को 12 साल बाद उसके परिवार से मिलाया है। यह घटना सिर्फ एक पुनर्मिलन की नहीं बल्कि इंसानियत और उम्मीद की ताकत को दर्शाती है। यह घटना 24 जून 2024 को शुरू हुई, जब श्रध्दावन पुनर्वसन केंद्र की प्रोजेक्ट कॉऑर्डिनेटर मयूरी भोंग को नागपुर के भोले पेट्रोल पंप के पास एक बेसहारा महिला की सूचना मिली। महिला की हालत बेहद खराब थी, उलझे बाल, फटे कपड़े और मानसिक संतुलन बिगड़ा हुआ। स्थानीय निवासियों और पुलिस के सहयोग से महिला को श्रध्दावन केंद्र लाया गया और फिर वहां उसकी देखभाल और इलाज शुरू हुआ। ज्ञातव्य हो कि श्रध्दावन केंद्र, जो महारोगी सेवा समिती द्वारा संचालित है, मानसिक रूप से अस्वस्थ लोगों को मदद और पुनर्वास का अवसर देता है। उषा की पहचान कैसे हुई, और यह सफर कैसे उसके परिवार तक पहुंचा, इसके पहले यह जानना जरूरी है कि 12 साल पहले क्या हुआ। प्राप्त जानकारी अनुसार करीब 12 साल पहले ग्राम डूंगरिया पुलिस चौकी पलारी निवासी उषा की मानसिक स्थिति बिगड़ गयी और एक दिन वह घर छोड़कर चली गई। घरवालों ने उसकी काफी दिनों, महिनों खोज की किन्तु उसका कोई पता नहीं चला। महिला के घरवालों एवं ससुरालवालों ने उसे मरा हुआ मानकर वो सभी संस्कार कर दिये जो मृत्यु उपरांत किये जाते हैं। बर्षों बाद 24 जून 2024 को उषा श्रद्धावन पुनर्वसन केंद्र नागपुर की प्रोजेक्ट कॉर्डिनेटर को मिली जिसे वह केंद ले गई। श्रध्दावन के सायक्ट्रिक डॉक्टरों की मदद से उषा की मानसिक स्थिति में सुधार हुआ। इलाज के दौरान उसने अपने गांव और परिवार की कुछ यादें साझा की। उसकी पहचान मध्यप्रदेश के सिवनी जिले के पलारी चौकी के समीप डुंगरिया गांव, तहसील केवलारी के निवासी के रूप में हुई। उषा का भाई संतकुमार, जो वर्षों से उसे मृत मान चुका था, उसकी जीवित होने की खबर से भावुक हो गया।

परिवार से मिलने का सफर आसान नहीं था। उषा को उसके गांव पहुंचाने की जिम्मेदारी स्थानीय पुलिस अधिकारी, विशेष रूप से पलारी चौकी में पदस्थ उप-निरीक्षक राजेश शर्मा एवं भीमगढ़ चौकी में पदस्थ सहायक पुलिस निरीक्षक श्री पटेल ने सही गांव और परिवार का पता लगाने में अहम भूमिका निभाई। पुलिस द्वारा अक्टूबर 2024 को उषा को उसके गांव तक पहुंचाया गया।

गांव में उषा का स्वागत

गांव पहुंचने पर उषा ने धीरे-धीरे अपने परिवार और पुराने रिश्तों को पहचानना शुरू किया। उसके भाई और गांव वालों ने खुशी के आंसू बहाए। हालांकि उसके गुम होने के बाद उसके पति ने दूसरी शादी कर ली थी, लेकिन यह पुनर्मिलन उषा के लिए नई शुरुआत लेकर आया।

पुलिस का सराहनीय सहयोग

इस घटना में पुलिस ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। सहायक पुलिस निरीक्षक श्री पटेल और उप-निरीक्षक राजेश शर्मा ने उषा के गाँव और परिवार का पता लगाने में पूरी मदद की। श्रध्दावन पुनर्वसन केंद्र और पुलिस की टीम ने यह साबित किया कि जब समाज एकजुट होता है, तो चमत्कार हो सकते हैं। इस घटना ने सिवनी और आसपास के क्षेत्रों में मानसिक स्वास्थ्य और बेसहारा लोगों के लिए जागरूकता भी बढ़ाई है। उषा की यह कहानी इंसानियत की एक नई उम्मीद देती है। श्रध्दावन पुनर्वसन केंद्र और पुलिस की टीम ने मिलकर जो कर दिखाया, वह सराहनीय के साथ अनुकरणीय भी है।